INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII-2nd Lang.	Department: Hindi	Date of submission:
Worksheet no-8	Topics: - अपठित गद्यांश	Pl File in portfolio

प्रश्न-दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

मुझे स्वयं ज्ञात नहीं कि कब नीलकंठ ने अपने आपको चिड़ियाघर के निवासी जीव-जंतुओं का सेनापति और संरक्षक नियुक्त कर लिया। सवेरे ही वह सब खरगोश, कबूतर आदि की सेना एकत्र कर उस ओर ले जाता जहाँ दाना दिया जाता है और घूम-घूमकर मानो सबकी रखवाली करता रहता। किसी ने कुछ गड़बड़ की और वह अपने तीखे चंचु-प्रहार से उसे दंड देने दौड़ा। खरगोश के छोटे बच्चों को वह चोंच से उनके कान पकड़कर ऊपर उठा लेता था और जब तक वे आर्त क्रंदन न करने लगते उन्हें अधर में लटकाए रखता। कभी-कभी उसकी पैनी चोंच से खरगोश के बच्चों का कर्णवेध संस्कार हो जाता था, पर वे फिर कभी उसे क्रोधित होने का अवसर न देते थे। दंडविधान के समान ही उन जीव-जंतुओं के प्रति उसका प्रेम भी असाधारण था।

प्रश्न-1 नीलकंठ ने स्वयं को क्या नियुक्त कर लिया था?

(a) जीव-जंतुओं का सेनापति **(b)** संरक्षक

(c) जीव-जंतुओं का सेनापति एवं संरक्षक **(d)** इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न-2 नीलकंठ अपने पक्षियों की सेना कहाँ ले जाता था?

(a) घूमने-फिरने के स्थान पर **(b)** दाना देने के स्थान पर

(c) पानी-पीने के स्थान पर **(d)** कहीं नहीं।

प्रश्न-3 'नीलकंठ' खरगोश के बच्चों के कान चोंच से पकड़कर दंडित क्यों करता था?

(a) जब उसकी बात नहीं मानते थे| **(b)** जब इधर-उधर भागते थे

(c) जब वे कोई गड़बड़ करते थे| **(d)** जब आपस में लड़ते थे।

प्रश्न-4 नीलकंठ खरगोश के बच्चे कब तक दंडित करता रहता?

(a) जब तक उसकी बात न मान लें | **(b)** जब तक उसकी जीत न हो जाती

(c) उसकी बात न मानें| **(d)** जब तक वे आर्त क्रंदन न करने लगे।

प्रश्न-5 'छुआ-छुऔअल-सा'-से क्या अभिप्राय है?

(a) एक प्रकार का खेल **(b)** एक प्रकार की डाँट

(c) एक दूसरे से रूठना **(d)** उपर्युक्त सभी।

उत्तर- **(c)** जीव-जंतुओं का सेनापति एवं संरक्षक **(b)** दाना देने के स्थान पर

(b) जब इधर-उधर भागते थे **(d)** जब तक वे आर्त क्रंदन न करने लगे।

(a) एक प्रकार का खेल